CUET (UG)

Hindi Sample Paper - 21

Solved

Time Allowed: 45 minutes **Maximum Marks: 200**

सामान्य निर्देश:

1. The test is of 45 Minutes duration.
2. The test contains 50 questions out of which 40 questions need to be attempted.
3. Marking Scheme of the test:

a. Correct answer or the most appropriate answer: Five marks (+5).
b. Any incorrectly marked option will be given minus one mark (-1).
c. Unanswered/Marked for Review will be given zero mark (0).

प्रश्न संख्या 1 से 10 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[50]**

प्राचीन और अर्वाचीन रचनाकारों की मनः स्थितियाँ और संस्कार भिन्न रहे हैं, अतः उनके रचित साहित्य और उसके मूल्यांकन प्रतिमान भी भिन्न रहे हैं। प्राचीन चिंतकों ने जीवन और साहित्य दोनों ही क्षेत्रों में औचित्य और लोकसंस्कार की महत्ता स्वीकार करते हुए अपने साहित्यिक प्रतिमान निर्धारित कर लिए थे, किंतु अर्वाचीन चिंतक अभी संक्रांति की स्थिति में हैं, जहाँ उन्होंने समस्त पुरातन मान्यताओं की **वर्जना** तो कर दी है पर सर्जना के नाम पर उनकी दृष्टि अभी स्पष्ट नहीं है। यदि कहीं कुछ आता भी है तो वहाँ व्यक्तिवादिता के कोलाहल में ऐकमत्य लक्षित नहीं होता। आधुनिक चिंतकों ने नए साहित्य के सन्दर्भ में प्रतिमान पर इधर जो कुछ सोचा है, उससे एक ही प्रतिमान सामने आता है और वह है- यथार्थ की अनुभूति या अनुभूति की यथार्थता। आज के कवि-अकवि का लक्ष्य है- यथार्थ को बेनकाब और नग्न रूप में रखना, हो सके तो नकाबधारियों पर व्यंग्य करना और नकाब पर आक्रोश व्यक्त करना।

1. प्राचीन प्रतिमानों में स्थापित्व का आधार क्या था?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) आध्यात्मिकता
ग) भक्तिभावना
घ) लोक-ह्रदय की पहचान

2. नए प्रतिमानों में अनिशचय और अनैकमत्य का क्या कारण है?

क) मुख्यतः व्यक्तिवादिता
ख) मुख्यतः प्रकृतिवादिता
ग) मुख्यतः समाजवादिता
घ) मुख्यतः मार्क्सवादिता

3. प्राचीन और अर्वाचीन साहित्य-प्रतिमानों में क्या अंतर है?

क) प्राचीन प्रतिमान आध्यात्मिक है जबकि अर्वाचीन प्रतिमान लौकिक
ख) जीवन और साहित्य में औचित्य और लोक संस्कार की महत्ता प्राचीन साहित्य के प्रतिमान हैं, जबकि ययार्थ

की अनुभूति को नग्न रूप में
प्रस्तुतीकरण अर्वाचीन प्रतिमान है।

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) प्राचीन प्रतिमान धार्मिक हैं और नवीन प्रतिमान अधार्मिक

4. अर्वाचीन चिन्तन की संक्रान्ति-स्थिति से क्या तात्पर्य है?

क) प्राचीन और अर्वाचीन मान्यताओं का मिलाजुला रूप प्रचलित है

ख) प्राचीन मान्यताओं की निंदा की गई है और नई-नई मान्यताएँ प्रचलित हो रही हैं

ग) प्राचीन मान्यताओं को अंशतः स्वीकार करते हुए नई मान्यताएं स्थापित की जा रही हैं

घ) समस्त प्राचीन मान्यताओं की वर्जना कर दी गई है और सर्जना के नाम पर स्थिति स्पष्ट नहीं है

5. **अनुभूति की यथार्थता** से क्या तात्पर्य हैं?

क) जैसा अनुभव किया गया है वैसा ही

ख) सत्य-असत्य की अनुभूति

ग) सत्यं शिवं सुंदरम की अनुभूति

घ) लोक-कल्याणकारी चितन

6. गद्यांश में प्रयुक्त **बर्जना** शब्द निम्नलिखित में से क्या है?

क) अव्यय

ख) क्रिया

ग) सर्वनाम

घ) संज्ञा

7. गद्यांश में प्रयुक्त **बेनकाब** शब्द में निम्नलिखित में कौनसा उपसर्ग है?

क) बेन

ख) बे

ग) बा

घ) बेनक

8. गद्यांश में प्रयुक्त **व्यंग्य** शब्द का सही अर्थ है-

क) निंदा

ख) अपशब्द

ग) प्रशंसा

घ) बोली (ताना)

9. उपर्युक्त गद्यांश में कौन-सा गुण है?

क) प्रसाद

ख) माधुर्य

ग) कोई गुण नहीं

घ) ओज

10. उपर्युक्त गधांश में प्रयुक्त **आक्रोश** का सही विलोम है-

क) अनाक्रोश

ख) असंतुष्टि

ग) अमर्ष

घ) असहमति

प्रश्न संख्या 11 से 20 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[50]**

सुधार जिस अवस्था में हो, उससे अच्छी अवस्था आने की प्रेरणा हर आदमी में मौजूद रहती है। हममें जो कमजोरियाँ हैं, वह मर्ज की तरह हमसे चिपटी हुई हैं। जैसे शारीरिक स्वास्थ्य एक प्राकृतिक बात है और रोग उसका उलटा, उसी तरह नैतिक और मानसिक स्वास्थ्य भी प्राकृतिक बात है और हम मानसिक तथा नैतिक गिरावट से उसी तरह संतुष्ट नहीं रहते, जैसे कोई रोगी अपने रोग से संतुष्ट नहीं रहता। जैसे वह सदा किसी चिकित्सक की तलाश में रहता है, उसी तरह हम भी इस फिक्र में रहते हैं कि किसी तरह अपनी कमजोरियों को दूर फेंककर अधिक अच्छे मनुष्य बनें। इसीलिए हम साधु-फकीरों की खोज में रहते हैं, पूजा-पाठ करते हैं। बड़े-बूढ़ों के पास बैठते हैं, विद्वानों के व्याख्यान सुनते हैं और साहित्य का अध्ययन करते हैं।

हमारी सारी कमजोरियों की जिम्मेदारी हमारी कुरुचि और प्रेम-भाव से वंचित होने पर है। जहाँ सच्चा सौन्दर्य-प्रेम है, जहाँ प्रेम की विस्तृति है, वहाँ कमजोरियाँ कहाँ रह सकती हैं? प्रेम ही तो आध्यात्मिक भोजन है और सारी कमजोरियाँ इसी भोजन के न मिलने अथवा दूषित भोजन के मिलने से पैदा होती हैं। कलाकार हममें सौन्दर्य की अनुभूति उत्पन्न करता है और प्रेम की उष्णता। उसका एक वाक्य, एक शब्द, एक संकेत इस तरह हमारे अन्तर जा बैठता है कि हमारा अंतःकरण प्रकाशित हो जाता है। पर जब तक कलाकार खुद सौन्दर्य-प्रेम से छककर मस्त न हो और उसकी आत्मा स्वयं इस ज्योति से प्रकाशित न हो, वह हमें प्रकाश क्योंकर दे सकता है?

11. उपर्युक्त गद्यांश कां सम्बन्ध किससे है?

क) कहानी　　ख) संस्मरण

ग) उपन्यास　　घ) निबंध

12. उपर्युक्त गद्यांश के माध्यम से लेखक ने पाठकों को _____ बतलाया है।

क) शारीरिक स्वास्थ्य　　ख) प्रत्येक मनुष्य की कमजोरियाँ

ग) प्रत्येक मनुष्य की अच्छाइयाँ　　घ) जीवन में प्रेम का महत्व

13. लेखक के अनुसार शारीरिक स्वास्थ्य _____ है?

क) प्राकृतिक　　ख) निरोगता

ग) उपर्युक्त सभी　　घ) कृत्रिम

14. जैसे कोई रोगी अपने रोग से संतुष्ट नहीं रहता, वैसे ही हम-

क) मानसिक तथा नैतिक गिरावट से संतुष्ट नहों रहते　　ख) सभी से संतुष्ट रहते हैं

ग) अपने मित्रों से संतुष्ट नहीं रहते　　घ) किसी से संतुष्ट नहीं रहते

15. लेखक के अनुसार सत्संग, पूजा-पाठ करने, व्याख्यान सुनने और साहित्य अध्ययन करने का प्रमुख उद्देर्श क्या है?

क) अपनी कमजोरियों को दूर कर अच्छा मनुष्य बनना
ख) धनवान बनना

ग) मनोकामनाएँ पूरी करना
घ) निर्वाण प्राप्ति

16. गद्यांश के अनुसार हमारी सारी कमजोरियों का कारण क्या है?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) लोभ और मोह

ग) कुरुचि और प्रेमभाव से वंचित होना
घ) काम और क्रोध

17. लेखक के अनुसार जहाँ सच्चा सौन्दर्य प्रेम है, जहाँ प्रेम की विस्तृति है, वहाँ-

क) चित्रकारों की कमी नहीं है
ख) कलाकारों की कमी नहीं है

ग) साहित्यकारों की कमी नहीं है
घ) कमजोरियाँ नहीं रह सकती हैं

18. लेखक के अनुसार किस भोजन के न मिलने अथवा दूषित भोजन मिलने से सारी कमजोरियाँ उत्पन्न होती हैं?

क) दूध और अंडा
ख) आध्यात्मिक भोजन

ग) संतुलित भोजन
घ) हरी सब्जियाँ

19. लेखक के अनुसार आध्यात्मिक भोजन क्या है?

क) कठोर तप
ख) प्रवचन सुनना और नाचना

ग) पूजा और उपवास
घ) प्रेम

20. लेखक के अनुसार हमें कलाकार से क्या प्राप्र होता है?

क) उमंग और आनंद
ख) सौन्दर्य की अनुभूति और प्रेम की उष्णाता

ग) अभिनय कला
घ) मनोरंजन

प्रश्न संख्या 21 से 30 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[50]**

संसार केवल दुःखों की खान नहीं, आनन्दमय भी है। परन्तु उसे देखना ऐसा दुःख पाने के लिए अनुभूति चाहिए। आँखों में पट्टी बाँध लेने से तो दिन में ही अँधेरा दिखने लगता है। निराशा और नीरसता की दृष्टि लेकर आनन्द की अनुभूति कहाँ से हो सकती है? सृष्टा ने इस संसार को आशा, उत्साह और असाधारण मनोयोग में साय जीने के लिए सर्वोत्तम कलाकृति के रूप में गढ़ा है, जिसके क्रियान्वयन में आनन्द है। यदि ऐसा न होता तो बड़े-बड़े वैज्ञानिक, आविष्कारक, संत, महात्मा, विचारक जिन्होंने लम्बी अवधि तक इस संसार को अपने खून-पसीने से सींचा है और सुखमय बनाया है, कब के अपने जीवन से निराशा और हतोत्साह के विक्षोभ में विलीन हो गए होते। सामान्यतः उनका जीवन सामान्य व्यक्तियों की अपेक्षा कहीं अधिक कष्टकारी और दुःखमय रहा है।

यह संसार तो उसके लिए सलोना है जो इसे सँजो ले, जो आशा और उत्साह के साथ आगे बढना जाने।

आधा गिलास पानी देखकर कोई इसलिए रो सकता है कि गिलास आधा खाली है और इसलिए प्रसन्न हो सकता है कि गिलास आधा भरा है। "जैसी दृष्टि, वैसी सृष्टि" कथन में सच्चाई है।

21. ईश्वर ने सर्वोत्तम कलाकृति के रूप में गढ़ा है-

क) संसार को
ख) महापुरुषों को
ग) प्रकृति को
घ) मनुष्य को

22. आनंद की अनुभूति किस स्थिति में नहीं हो सकती?

क) आँखों में पट्टी बाँध लेने से
ख) आशा और उत्साह की स्थिति में
ग) निराशा और नीरसता की स्थिति में
घ) कष्टकारी और दुःखमय स्थिति में

23. किसके क्रियान्वयन में आनन्द है?

क) परोपकार करने में
ख) आशा और उत्साह के साथ जीवन जीने में
ग) सादगीपूर्ण जीवन जीने में
घ) कठिन परिश्रम करने में

24. उपर्युक्त गद्यांश में किसका जीवन सामान्य व्यक्तियों की अपेक्षा अधिक कष्टकारी एवं दुःखमय रहा?

क) नीरस व्यक्तियों का
ख) आशायान और उत्साही व्यक्तियों का
ग) निराश व्यक्तियों का
घ) वैज्ञानिकों, विचारकों, आविष्कारकों और संत-महात्माओं का

25. गद्यांश में प्रयुक्त **अपने खून-पसीने से सीचा है** में शब्द शक्ति है-

क) व्यंजना
ख) तात्पर्या
ग) अविधा
घ) लक्षणा

26. गद्यांश में प्रयुक्त **हतोत्साह** शब्द का सही संधिविच्छेद है-

क) हत + उत्साह
ख) हत्य + ओत्साह
ग) हतो + उत्साह
घ) हतोत् + साह

27. गद्यांश में प्रयुक्त **विक्षोभ** शब्द का पर्याय है-

क) उद्वेग
ख) चंचलता
ग) चपलता
घ) अंधकार

28. गद्यांश में प्रयुक्त **कलाकृति** शब्द में कौन-सा समास है?

क) अधिकरण तत्पुरुष
ख) सम्प्रदान तत्पुरुष
ग) अपादान तत्पुरुष
घ) सम्बन्ध तत्पुरुष

29. गद्यांश में प्रयुक्त **मनोयोग** शब्द में कौन-सी संधि है?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) व्यंजन संधि
ग) स्वर संधि
घ) विसर्ग संधि

30. गद्यांश में प्रयुक्त **जैसी दृष्टि बैसी सृष्टि** निम्नलिखित में से क्या है?

क) संस्कृत का मुहावरा
ख) लोकोक्ति या कहावत
ग) हिन्दी का मुहावरा
घ) साधारण संवाद

31. मुहावरे का सही अर्थ चुनिए- ओखली में सिर देना **[5]**

क) धान कूटते चोट लगना
ख) आपत्तियाँ मोल लेना
ग) परेशान होना
घ) जान बूझकर स्वयं को विपत्ति में फँसाना

32. मुहावरे का सही अर्थ चुनिए- अपने पाँव में कुल्हाड़ी मारना **[5]**

क) काम करते नुकसान होना
ख) बीमारी बुलाना
ग) अपना नुकसान खुद करना
घ) कष्ट सहना

33. उचित पर्यायवाची शब्द चुनिए- ओस **[5]**

क) तुषार, तुहिन
ख) निशाजल, हैम
ग) पाला, हिमजल
घ) शबनम, शीत

34. उचित शब्दार्थ चुनिए- अनी **[5]**

क) हीरे का अंश
ख) कटार
ग) सेना
घ) धार

35. उचित पर्यायवाची शब्द चुनिए- प्रसन्नता **[5]**

क) हर्ष, तुष्टि
ख) प्रफुल्लता, खुशी
ग) आनन्द, संतोष
घ) अनुग्रह, कृपा

36. उचित पर्यायवाची शब्द चुनिए- अनन्त **[5]**

क) असंख्य, अपार
ख) असीम, अतिशय

ग) विष्णु, शेषनाग
घ) बलराम, आकाश

37. उचित विलोम शब्द चुनिए- रूपवान **[5]**

क) कुरूप
ख) अंगहीन
ग) असुन्दर
घ) निर्लज्ज

38. उचित विलोम शब्द का चयन कीजिए- फँसाना **[5]**

क) त्यागना
ख) पकड़ना
ग) निकालना
घ) उबारना

39. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द चुनिए- जो विधि की दृष्टि से टीक हो **[5]**

क) उचित
ख) सही
ग) सत्य
घ) वैध

40. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द चुनिए- जिसका चित्त स्थिर हो **[5]**

क) एकाग्रचित्त
ख) शांत
ग) तपस्वी
घ) सुधी

41. उचित प्रत्यय शब्द का चयन कीजिए- पढ़ाई **[5]**

क) ढाई
ख) ई
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) आई

42. उचित उपसर्ग शब्द का चयन कीजिए- अभिप्राय **[5]**

क) अप
ख) अ
ग) अव्
घ) अभि

43. उचित उपसर्ग शब्द का चयन कीजिए- खुशबू **[5]**

क) खुश
ख) ख
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) खु

44. पुनरुक्ति शब्दों के बीच में कौन-सा चिह्न प्रयोग किया जाता है? **[5]**

क) (!) ख) (:)

ग) (_) घ) (-)

45. (1) प्रकाश के सात रंगों में **[5]**
(य) रंग की तरंग ही परावर्तित होती है,
(र) सबसे कम होने के कारण नीले
(ल) बाक़ी रंगों की किरणें वायु कणों द्वारा अवशोषित हो जाती हैं.
(व) नीले रंग का तरंगदैर्घ्य
(6) अतः आकाश नीला दिखाई देता है।

क) र ल व य ख) ल र य व

ग) य र ल व घ) व र य ल

46. (1) जातिस्वरम् में नर्तकी- **[5]**
(ग्र) और अंग संचालन व पद-संचालन
(र) स्वर अर्थात् सौन्दर्य को अपने
(ल) नृत्य द्वारा मूर्त करती है
(व) द्वारा लयकारी ताल पर
(6) अपना अधिकार प्रस्तुत करती है।

क) व य ल र ख) र ल य व

ग) य र ल व घ) र य व ल

47. (1) यद्यपि प्रथम जीव के **[5]**
(य) उसका अध्ययन पहली बार उन्नीसवीं सदी के मध्य में
(र) प्रजनन के साथ ही वंशानुगत
(ल) हो गया था, लेकिन वैज्ञानिक स्तर पर
(व) गुणों का आदान-प्रदान आरम्भ
(6) आस्ट्रिया के पादरी जॉन ग्रेगर मेंडल ने किया था।

क) र व ल य ख) ल व र य

ग) य र ल व घ) र ल व य

48. (1) यह पुरानी हिन्दी **[5]**
(य) जो वस्तुतः अपभ्रंशाभास हिन्दी है,
(र) काव्य भाषा के रूप में
(ल) भक्ति काल तक आते-आते
(व) स्थापित हो जाती है और
(6) हिन्दी का स्वरूप स्पष्ट हो जाता है।

क) ल व र य　　ख) य र ल व

ग) व ल य र　　घ) य ल र व

49. (1) यदि हम कहें कि **[5]**
(य) तो अनुपयुक्त न होगा
(र) ईश्वर भी धोखे से अलग नहीं
(ल) क्योंकि ऐसी दशा में
(व) यदि वह धोखा खाता नहीं
(6) तो धोखे से काम अवश्य लेता है।

क) य व ल र　　ख) र य ल व

ग) व य ल र　　घ) ल र य व

50. (1) मध्यकाल के सम्पूर्ण **[5]**
(य) भक्त कवि हैं
(र) भक्ति साहित्य में
(ल) जिनका व्यक्तित्व
(व) कबीर ही एक ऐसे
(6) उनकी वाणी में छाया हुआ है।

क) व र य ल　　ख) र व य ल

ग) य र ल व　　घ) ल य र व

Answers

1. **(d)** लोक-ह्रदय की पहचान
   व्याख्या: लोक-ह्रदय की पहचान
2. **(a)** मुख्यतः व्यक्तिवादिता
   व्याख्या: मुख्यतः व्यक्तिवादिता
3. **(b)** जीवन और साहित्य में औचित्य और लोक संस्कार की महत्ता प्राचीन साहित्य के प्रतिमान हैं, जबकि यथार्थ की अनुभूति को नग्न रूप में प्रस्तुतीकरण अर्वाचीन प्रतिमान है।
   व्याख्या: जीवन और साहित्य में औचित्य और लोक संस्कार की महत्ता प्राचीन साहित्य के प्रतिमान हैं, जबकि यथार्थ की अनुभूति को नग्न रूप में प्रस्तुतीकरण अर्वाचीन प्रतिमान है।
4. **(d)** समस्त प्राचीन मान्यताओं की वर्जना कर दी गई है और सर्जना के नाम पर स्थिति स्पष्ट नहीं है
   व्याख्या: समस्त प्राचीन मान्यताओं की वर्जना कर दी गई है और सर्जना के नाम पर स्थिति स्पष्ट नहीं है
5. **(a)** जैसा अनुभव किया गया है वैसा ही
   व्याख्या: जैसा अनुभव किया गया है वैसा ही
6. **(b)** क्रिया
   व्याख्या: क्रिया
7. **(b)** बे
   व्याख्या: बे
8. **(d)** बोली (ताना)
   व्याख्या: बोली (ताना)
9. **(a)** प्रसाद
   व्याख्या: प्रसाद
10. **(a)** अनाक्रोश
    व्याख्या: अनाक्रोश
11. **(d)** निबंध
    व्याख्या: निबंध
12. **(d)** जीवन में प्रेम का महत्व
    व्याख्या: जीवन में प्रेम का महत्व
13. **(a)** प्राकृतिक
    व्याख्या: प्राकृतिक
14. **(a)** मानसिक तथा नैतिक गिरावट से संतुष्ट नहों रहते
    व्याख्या: मानसिक तथा नैतिक गिरावट से संतुष्ट नहों रहते
15. **(a)** अपनी कमजोरियों को दूर कर अच्छा मनुष्य बनना
    व्याख्या: अपनी कमजोरियों को दूर कर अच्छा मनुष्य बनना
16. **(c)** कुरुचि और प्रेमभाव से वंचित होना
    व्याख्या: कुरुचि और प्रेमभाव से वंचित होना

17. **(d)** कमजोरियाँ नहीं रह सकती हैं
    व्याख्या: कमजोरियाँ नहीं रह सकती हैं
18. **(b)** आध्यात्मिक भोजन
    व्याख्या: आध्यात्मिक भोजन
19. **(d)** प्रेम
    व्याख्या: प्रेम
20. **(b)** सौन्दर्य की अनुभूति और प्रेम की उष्णाता
    व्याख्या: सौन्दर्य की अनुभूति और प्रेम की उष्णाता
21. **(a)** संसार को
    व्याख्या: संसार को
22. **(c)** निराशा और नीरसता की स्थिति में
    व्याख्या: निराशा और नीरसता की स्थिति में
23. **(b)** आशा और उत्साह के साथ जीवन जीने में
    व्याख्या: आशा और उत्साह के साथ जीवन जीने में
24. **(d)** वैज्ञानिकों, विचारकों, आविष्कारकों और संत-महात्माओं का
    व्याख्या: वैज्ञानिकों, विचारकों, आविष्कारकों और संत-महात्माओं का
25. **(d)** लक्षणा
    व्याख्या: लक्षणा
26. **(a)** हत + उत्साह
    व्याख्या: हत + उत्साह
27. **(a)** उद्वेग
    व्याख्या: उद्वेग
28. **(d)** सम्बन्ध तत्पुरुष
    व्याख्या: सम्बन्ध तत्पुरुष
29. **(d)** विसर्ग संधि
    व्याख्या: विसर्ग संधि
30. **(b)** लोकोक्ति या कहावत
    व्याख्या: लोकोक्ति या कहावत
31. **(घ)** जान बूझकर स्वयं को विपत्ति में फँसाना
    व्याख्या: जान बूझकर स्वयं को विपत्ति में फँसाना
32. **(ग)** अपना नुकसान खुद करना
    व्याख्या: अपना नुकसान खुद करना
33. **(क)** तुषार, तुहिन
    व्याख्या: तुषार, तुहिन
34. **(क)** हीरे का अंश
    व्याख्या: हीरे का अंश

35. **(क)** हर्ष, तुष्टि
व्याख्या: हर्ष, तुष्टि
36.
(ख) असीम, अतिशय
व्याख्या: असीम, अतिशय
37. **(क)** कुरूप
व्याख्या: कुरूप
38.
(ग) निकालना
व्याख्या: निकालना
39.
(घ) वैध
व्याख्या: वैध
40. **(क)** एकाग्रचित्त
व्याख्या: एकाग्रचित्त
41.
(घ) आई
व्याख्या: आई
42.
(घ) अभि
व्याख्या: अभि
43. **(क)** खुश
व्याख्या: खुश
44.
(घ) (-)
व्याख्या: योजक या विभाजक चिह्न (–)- दो शब्दों को जोड़ने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है; जैसे-छोटा-बड़ा, रात-दिन, धीरे-धीरे। उदाहरण-जीवन में सुख-दुख तो चलता ही रहता है।
45.
(घ) व र य ल
व्याख्या: व र य ल
46.
(ख) र ल य व
व्याख्या: र ल य व
47. **(क)** र व ल य
व्याख्या: र व ल य
48.
(घ) य ल र व
व्याख्या: य ल र व
49.
(ख) र य ल व

व्याख्या: र य ल व

50.

(ख) र व य ल

व्याख्या: र व य ल